

पुनावली की दीनी

पक्षी के लीला लोक

अद्वान्त की भावना

के शक्ति - गोभादी

सुभा हीं हसमिने

अने की डिकायवादि

अफी साहेब है

२०११/११/२२

अद्वैतात्मिका

सुखे सुखे सुखे

पुनावली  
A.D.V.

२०११

२०११/१०/२५

कक्षल वशि उपरिखन हीं। वशी खयं उपः। कक्षल उपरिखन

शक्तिमान्दिति खल उपरिखन हीं वक्षि वशी श्च

सुखे। अक्षय नखा वशी श्च शक्तिमिदं इ प्रदा खयं

उपरिखन प्रेख खल पुनावली में वक्षी नाम। इ उअनि

की पुनावली विडी सुखे वखल पुनावली शक्ति ही नखा

पुनावली

७

9/1/2023

श्री २२१०५३  
 धरनबाबत आषनाफ पेशा क्रियागमा) वकील उजिवारी  
 तथा उजिवारी देवेन्द्रसिंह स्वयं उप। वकील उजिवारी तथा  
 उजिवारी स्वयं द्वारा उच्चत बाबत अनापत्ति न्यायालय के  
 समक्ष प्रस्तुत की। अतः आषनाफ वस्तु फावली नलकी  
 स्वीकार देने से फावली आज दिनांक के पेशा हूँ। वकील  
 वही तथा वही स्वयं द्वारा फावली के निवेदन क्रियागमादि  
 को नो पक्षों के बीच राजीनामा दोगया है। इसलिये उक्त  
 फावली पर कोई कार्यवाही नहीं चलते है। अतः फावली की  
 विद्दो क्रिये जाने के कारण क पारित क्रिये जावें। वकील  
 उजिवारी तथा उजिवारी देवेन्द्र द्वारा कथन क्रिये गये कि  
 फावली में वही ~~फावली~~ उजिवारी के बीच राजीनामा हो चुका है।  
 वकील वही तथा उजिवारी और वही स्वयं तथा उजिवारी  
 को लुनागमा) अप पक्ष करी द्वारा फावली में राजीनामा  
 पेशा क्रियागमा) वकील वही तथा वही स्वयं प्रकरण के  
 राजीनामा देने से फावली में कोई कार्यवाही नहीं चलते है।  
 तथा प्रकरण विद्दो क्रियागमा है। इस बाबत वकील वही तथा  
 वही स्वयं द्वारा फावली अदालत पर लिपनी दर्ज है।  
 ऐसी लिपि में कि प्रकरण विद्दो देने से प्रकरण पर  
 अगे कोई कार्यवाही प्रपेक्षित नहीं रह जाती है। अतः  
 फावली पर कार्यवाही इसी स्तर पर समाप्त की जाती है।  
 फावली फैसल रुमा है। नम्बर से इस दौरे वजिल  
 प्रस्तुत है।

उपसुब्द अधिकारी  
 मिनाय (अजमेर)